an>

title: Need to formulate a policy to create awareness for donation of organs in the country.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : सभापति महोदय, दो दिन पहले मानवीय आधार पर बेहद महत्वपूर्ण घटना समाचार पत्रों में छपी। पप्पू डाबर इंदौर के नौजवान थे जिन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। उसके बाद उनके पांच हिस्सों हार्ट, लीवर, किडनी, दोनों आंखें और त्वचा दान कर दिया जिससे पांच लोगों को उसका लाभ मिला। बेल्जियम, स्पेन और सिंगापुर और शायद कनाडा में एक ऐसे लोगों को ह्यूमन अवार्ड दिया जाता है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि जो लोग अपना अंगदान करते हैं क्या उनकी अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ हो सकती है या हम उन्हें कोई अवार्ड दे सकते हैं। इस देश में पांच लाख लोग इसलिए मरते हैं क्योंकि उनको अंग नहीं मिलता, जैसे किडनी, हार्ट, लीवर है, ये तीन प्रमुख बीमारियां हैं। जो लोग कागज पर नहीं बल्कि वास्तव में डोनेट करते हैं, इस घटना में पांच सौ डॉक्टरों ने योगदान किया। इंदौर से लेकर दिल्ली तक तमाम लोगों को उसका लाभ मिला, कुछ को जीवन मिल गया, किसी को त्वचा मिल गई, किसी को रोशनी मिल गई। मैं इस विषय पर प्राइवेट मेम्बर बिल लाना चाहता था। मैं चाहता हूं कि मेरी अपनी सरकार ऐसे लोगों को जो अंगदान करते हैं राजकीय सम्मान के साथ अंत्येष्टि करे या कोई अवार्ड घोषित करे। मैं चाहता हूं कि सदन इसमें एकजुट हो।

HON. CHAIRPERSON: Shri Shrirang Appa Barne, Shri Bhairon Prasad Mishra and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Prahlad Singh Patel.